B.A. First Year (Private) Examination

HINDI LITERATURE

Paper - First

Hindi Literature-I

Time : 3 Hours | *Maximum Marks R/P:80/100*

Minimum Marks R/P : 27/33

निर्देश • यह प्रश्न-पत्र नियमित (रेग्युलर) और स्वाध्यायी (प्रायवेट) दोनों प्रकार के छात्रों के लिए है।

• नियमित छात्रों के लिए 80 अंक तथा स्वाध्यायी छात्रों के लिए 100 अंक निर्धारित हैं।

• सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक उनके समक्ष अंकित हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं तीन की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए— **[9×3=27/ 11×3=33]**

(क) सतगुरु सवाँ न को सगा, सोधी सई न दाति।
हरिजी सवाँ न को हितु, हरिजन सई न जाति।।
सतगुर की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार।
लोचन अनंत उघाड़िया, अनंत दिखावण हार।।

(ख) विलग जनि मानहु ऊधौ प्यारे।
यह मथुरा काजर की कोठरी, जे आवहिं ते कारे।।
तुम कारे सुफलक सुत कारे, कारे मधुप भँवारे।
तिनके संग अधिक छवि उपजति कमल-नैन मनिआरे।
मानहुँ नील मॉट तै काढ़े, लै जमुना जु पखारे।
ता गुन स्याम भई कालिंदी सूर-स्याम गुन न्यारे।

(ग) गाइये गणपति जगवन्दन। संकर-सुवन, भवानी नन्दना
सिद्ध-सदन, गजवदन विनायक। कृपा सिन्धु सुन्दर सब लायक
मोदक-प्रिय, मुद मंगल दाता। विद्या-वारिधि, बुद्धि-विधाता।
माँगत तुलसीदास कर जोरे। बसहि रामसिय मानस मोरे।

(घ) मेरी भव-बाधा हरौ, राधा-नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परै, स्यामु हरति द्युति होइ॥
नीकी दई अनाकनी, फीकी परी गुहारि।
तज्यौ मनौ तारन-विरदु, बारक बारनु तारि॥

(ङ) झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृग राजति काननिछवै।
हँसि बोलनि में छवि फूलनि की, बरसा, उर-ऊपर जाति है हवै॥
लट लोल कपोल कलोल करै, गल कंठ बनी जल जावलि द्वै।
अंग-अंग तरंग उठै द्युति की, परिहै मनौ रूप अबै धरच्वै॥

(च) निकसत म्यान ते मयूखै प्रलै-भानु कैसी,
फारै तम तोय से गयंदन के जाल को।
लागत लपकि कंठ बैरिन के नागिनि-सी,
रुद्रहि रिझावै दै-दै मुंडन के माल को॥

लाल छितिपाल छत्रसाल महाबाहु बली,
कहाँ लौ बखानि करौ तेरी करवाल को।
प्रतिभट कटक कटीले केति काटि-काटि,
कालिका-सी किलकि कलेऊ देति काल को॥

2. भक्तिकाल साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। [14/16]

अथवा

रीति कालीन काव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. सिद्ध कीजिए कबीरदास एक समाज सुधारक थे। [12/15]

अथवा

सूरदास के वात्सल्य वर्णन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

अथवा

'तुलसीदास समन्वय के कवि हैं'। इस कथन की उदाहरण सहित पुष्टि कीजिए। [12/15]

4. सिद्ध कीजिए कि बिहारी ने गागर में सागर भर दिया है।

'घनानन्द प्रेम के पीर के कवि हैं'। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

भूषण के काव्य में राष्ट्रीय चेतना की भावना की विवेचना कीजिए।

5. निम्नलिखित में से (किन्हीं तीन) प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दीजिए: [3×5=15/3×7=21]

(i) अमीर खुसरों की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ii) मीराबाई की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

(iii) रसखान के प्रेम-निरूपण की विशेषताएँ लिखिए।

(iv) केशव कठिन काव्य के प्रेत हैं। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(v) पद्माकर के जीवनवृत्त पर प्रकाश डालिए।

◆◆◆

B.A. First Year (Private) Examination

HINDI LITERATURE

Paper - Second

Hindi Literature -II

Time : 3 Hours *Maximum Marks R/P : 80/100*

Minimum Marks R/P : 27/33

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक उनके समक्ष अंकित हैं।

1. निम्नलिखित किन्हीं तीन अवतरणों की व्याख्या संदर्भ एवं प्रसंग सहित कीजिए: [9×3] [11×3]

(i) ''देने वाले का हृदय देखना चाहिए, प्रेम से यदि वह मुझे एक छल्ला भी दे दे, तो मैं दोनों हाथों से ले लूँ। जब दिल पर जब्र करके दुनिया की लाज से या किसी के धिक्कारने से दिया तो क्या दिया। दान भिखारियों को दिया जाता है। मैं किसी का दान न लूँगी, चाहे वह माता ही क्यों न हो।''

(ii) ''पर उस कुर्सी पर बैठकर मम्मी का चेहरा अजीब तरह से सख्त हो जाया करता है। लगता है, मानो अपने असली चेहरे पर कोई दूसरा चेहरा लगा लिया हो। मम्मी के पास जरूर एक और चेहरा है। चेहरा ही नहीं आवाज भी कैसी सख्त हो जाती है। बोलती हैं तो लगता है जैसे डाँट रही हों। बंटी को मम्मी बहुत कम डाँटती हैं। बस, प्यार करती हैं। इसीलिये यों सख्त चेहरा लिये डाँटती प्रिंसिपल की कुर्सी पर बैठी मम्मी उसे कभी अच्छी नहीं लगती।''

(iii) वीरता जिसका धर्म था, अपनी बात-बात पर मिटना, सिंह-वृत्ति जीविका ग्रहण करना, प्राण-भिक्षा माँगने वाले कायरों तथा चोट खाकर गिरे प्रतिद्वंदी पर शस्त्र न उठाना, सताए निर्बलों को सहायता देना और प्रत्येक क्षण प्राणों को हथेली पर लिए घूमना, उसका बाना था। उन्हें काशी में लोग गुण्डा कहते थे।

(iv) अंग्रेज रमणियाँ थीं, जो धीरे-धीरे नहीं चलती थीं, तेज चलती थीं। उन्हें न चलने में थकावट आती थी, न हँसने में मौत आती थी। कसरत के नाम पर घोड़े पर भी बैठ सकती थीं और घोड़े के साथ ही साथ, जरा जी होते ही किसी

हिन्दुस्तानी पर कोड़े भी फटकार सकती थी। वे दो-दो, तीन-तीन, चार-चार की टोलियों में, नि:शंक, निरापद इस प्रवाह में मानों अपने स्थान को जानती हुई, सड़क पर चली जा रही थी।

(v) दो कसमें खाई हैं उसने। एक चोरबाजारी का माल नहीं लादेंगे। दूसरी बाँस। अपने हर भाड़ेदार से वह पहले ही पूछ लेता है – "चोरी-चमारीवाली चीज तो नहीं? और बाँस? बाँस लादने के लिए पचास रुपए भी दे कोई, हीरामन की गाड़ी नहीं मिलेगी।"

(vi) "माँ ने बहुतेरा दिल को समझाया, हाथ जोड़े, भगवान का नाम लिया, बेटे के चिरायु होने की प्रार्थना की, बार-बार आँखें बंद की, मगर आँसू बरसात के पानी की तरह जैसे थमने न आते थे।"

2. हिन्दी उपन्यास अथवा कहानी के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। [12/14]

अथवा

उपन्यास की परिभाषा देते हुए उसके तत्त्वों का निरूपण कीजिए।

3. प्रेमचन्द के उपन्यास 'गबन' में वर्णित समस्याओं पर प्रकाश डालिए। [12/14]

अथवा

मन्नू भण्डारी ने 'आपका बंटी' में किस उद्देश्य और समस्या को उठाया है उसमें उन्हें कहाँ तक सफलता मिली है? स्पष्ट कीजिए।

4. जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित गुण्डा कहानी के पात्र नन्हकू सिंह की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। [12/14]

अथवा

'अपना-अपना भाग्य' कहानी की मूल संवेदना को रेखांकित कीजिए।

अथवा

कहानी तत्त्व के आधार पर 'दोपहर का भोजन', 'ढाई बीघा जमीन', 'कफन' कहानी में से किसी एक कहानी की समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर संक्षिप्त में दीजिए। [4×3] [5×3]

(i) अमृतलाल नागर के पाँच कहानी संग्रहों के नाम लिखिए।

(ii) यशपाल के कथा-साहित्य की विषय-वस्तु बताइए।

(iii) धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व पर संक्षिप्त में प्रकाश डालिए।

(iv) कृष्णा सोबती के पाँच कहानी संग्रहों के नाम लिखिए।

(v) डॉ. मीनाक्षी स्वामी का जन्म कब और कहाँ हुआ? संक्षेप में बताइए।

(vi) मालती जोशी की कहानियों की विशेषताओं को संक्षेप में लिखिए।

6. वस्तुनिष्ठ प्रश्न हल कीजिए : [5×1]

(i) हिन्दी के सबसे पहले उपन्यासकार हैं - [5×2]

(अ) लाला श्रीनिवास दास

(ब) ठाकुर जगमोहन सिंह

(स) बालकृष्ण भट्ट

(द) राधाकृष्ण दास

(ii) हिन्दी की प्रथम मौलिक कहानी है -

(अ) दुलाई वाली

(ब) इंदुमती

(स) राखीबंद भाई

(द) उसने कहा था

(iii) बुधिया तड़प रही थी -

(अ) प्रसव वेदना से

(ब) भूख से

(स) प्यास से

(द) दुख से

(iv) मृदुला सिन्हा राज्यपाल रही हैं -

(अ) गोवा

(ब) हिमाचल प्रदेश

(स) अरुणाचल प्रदेश

(द) इनमें से कोई नहीं

(v) गुनाहों का देवता रचना है -

(अ) अमृतलाल नागर की

(ब) धर्मवीर भारती की

(स) मालती जोशी की

(द) यशपाल की

◆◆◆